पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2023–24

एम.ए. (संस्कृत) अंतिम

विषय – गद्य एवं काव्य **प्रश्नपत्रः प्रथम**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. कालिदास की कितनी रचनाएँ हैं ?
2. यक्ष को श्राप किसने दिया था ?
3. यक्ष की पत्नी का कैसा वर्ण था ?
4. गवाक्ष का क्या अर्थ है ?
5. हर्ष की माता का क्या नाम था ?
6. राजा नल किस युग के राजा थे ?
7. 'कुमारसंम्भव' कैसा काव्य है ?
8. 'कुमारसम्भव' के नायक कौन हैं ?

खण्ड—ब

9. 'मेघदूत' का संक्षिप्त परिचय दीलिए।
10. यक्ष के श्राप का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
11. कालिदास के कितने नाटक हैं ? किसी **एक** का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
12. यक्ष पत्नी का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
13. हिमालय का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
14. 'नैषधीयचरितम्' में छन्द योजना का वर्णन कीजिए।

सत्रीय कार्य– 2
(Assignment—2)

खण्ड—स

15. उज्जयिनी का वर्णन कीजिए।
16. "सूर्यापाये न खलु कमलं" स्पष्ट कीजिए।
17. "नैषधं विद्वदौषधं" को स्पष्ट कीजिए।
18. "एकोहि दोषो गुण सन्निपाते" स्पष्ट कीजिए

सत्रीय कार्य– 3
(Assignment—3)

खण्ड—द

19. मेघ के मार्ग का वर्णन कीजिए।
20. यक्षिणी की विरह अवस्था का वर्णन कीजिए।
21. 'नैषधीयचरितम्' का प्रकृति चित्रण कीजिए।
22. 'कुमारसम्भव' महाकाव्य है। सिद्ध कीजिए।

सत्रीय कार्य– 4
(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. साहित्यिक गद्य के उद्भव व विकास पर प्रकाश डालिए
24. कालिदास के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 29 फरवरी 2024 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई–जून 2023–24 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई–जून 2023–24 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2023–24

एम.ए. (संस्कृत) अंतिम

विषय – साहित्यशास्त्र **प्रश्नपत्रः द्वितीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. काव्यप्रकाश मंगलाचरण में कौन-सा अलंकार है ?
2. तात्पर्याशक्ति को कौन मानते हैं ?
3. व्यंजना व्यापार कौन मानते हैं ?
4. अद्भुत रस का स्थायी भाव क्या है ?
5. 'ध्वन्यालोक' के रचयिता कौन हैं ?
6. काव्य की आत्मा क्या है ?
7. 'नाट्यशास्त्र' के रचयिता कौन हैं ?
8. दारु कर्म क्या है ?

खण्ड—ब

9. शब्द की कितनी शक्तियाँ होती हैं ?
10. गौणी लक्षणा कहाँ होती है ?
11. रसों का नाम लिखिए।
12. "रस्यते इति रसः" स्पष्ट कीजिए।
13. ध्वनि का लक्षण लिखिए।
14. र①शीर्ष को स्पष्ट कीजिए।

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. गुणीभूत व्यङग्य की विशेषतायें क्या हैं ? स्पष्ट कीजिए।
16. व्यभिचारी भावों को स्पष्ट कीजिए।
17. भाक्तवादियों का मत लिखिए।
18. औचित्य के भेद स्पष्ट कीजिए।

सत्रीय कार्य–3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. उत्तम काव्य के लक्षणों की विवेचना कीजिए।
20. अविक्षित वाच्य ध्वनि के कितने भेद हैं ? स्पष्ट कीजिए।
21. ध्वन्यालोक का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
22. काव्यशास्त्र के प्रमुख सम्प्रदायों को स्पष्ट कीजिए।

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. भक्त नायक के भुक्तिवाद की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
24. भरत के नाट्यशास्त्र के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 29 फरवरी 2024 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई–जून 2023–24 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई–जून 2023–24 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2023–24

एम.ए. (संस्कृत) अंतिम

विषय – नाटक तथा नाट्यशास्त्र **प्रश्नपत्रः तृतीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. विराधगुप्त कौन है ?
2. राक्षस की अंगूठी चाणक्य को कहाँ से प्राप्त हुई ?
3. 'वेणीसंहार' नाटक में 'रणयज्ञः' शब्द का प्रयोग किसने किया है ?
4. 'अथ मरणमवश्यमेव जन्तोः' किसकी उक्ति है ?
5. 'मृच्छकटिकम्' में जुआरी का नाम क्या है ?
6. रदनिका कौन है ?
7. वीररस में किस वृत्ति का प्रयोग होता है ?

8. अग्रज के लिये निर्धारित संबोधन क्या है ?

खण्ड—ब

9. पंच संधियों के नाम लिखिए।

10. आकाशभाषित से क्या तात्पर्य है ? स्पष्ट कीजिए।

11. शार्विलक अपनी प्रेयसी मदनिका पर क्रुद्ध क्यों होता है ?

12. अश्वत्थामा और कर्ण के बीच विवाद का कारण स्पष्ट कीजिये।

13. भीम ने क्या प्रतिज्ञा की थी ?

14. चन्द्रगुप्त और चाणक्य में बनावटी कलह का क्या कारण प्रस्तुत किया गया ?

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. 'मुद्राराक्षस' नाटक की विशेषताओं का उल्लेख कीजिये।

16. "स्त्रीणां हि साहचर्याद् भवति चेतांसि भर्तृसदृशानि" सहदेव की इस उक्ति की विवेचना कीजिये।

17. चारुदत्त की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिये।

18. वृत्ति कितने प्रकार की होती है ? सभी का नामोल्लेख कीजिये।

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. नायकों के विभिन्न भेदों और उनके गुणों की सोदाहरण विवेचना कीजिए।

20. 'मृच्छकटिकम्' के आधार पर चारुदत्त की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिये।

21. 'वेणीसंहार' नाटक की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

22. 'मुद्राराक्षस' नाटक का कथासार लिखिये।

अथवा

'मुद्राराक्षस' नाटक में चन्द्रगुप्त और चाणक्य का कलह क्यों हुआ ? इसका विस्तृत विवेचन कीजिये।

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. नाटक के विभिन्न भेदों और भेदक तत्वों का विवेचन कीजिये ।

24. 'मुद्राराक्षस' नाटक के नायक और प्रतिनायक का चरित्र-चित्रण कीजिये ।

अथवा

'वेणीसंहार' नाटक के नायक और प्रतिनायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 29 फरवरी 2024 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई–जून 2023–24 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई–जून 2023–24 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2023–24

एम.ए. (संस्कृत) अंतिम

विषय – भारतीय समाज एवं पर्यावरण **प्रश्नपत्रः चतुर्थ**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. अध्यात्म रामायण किस पुराण का अंश है ?
2. पौराणिक विश्वकोश क्या कहलाता है ?
3. 'माता गुरुतराः भूमेः' किसका कथन है ?
4. मक्ख लिगोसाल ..... था।
5. ऋग्वेद में कितने देवों का उल्लेख है ?
6. चरैवेति का उपदेश किस ग्रन्थ में है ?

7. क्रोधज व्यसन ..... होते हैं।

8. विश्व में बौद्ध धर्म के अनुयायी लगभग कितने प्रतिशत हैं ?

खण्ड—ब

9. धर्म शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

10. सभ्यता और संस्कृति में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

11. किन्ही **पाँच** उपपुराणों के नाम लिखिए।

12. पुराणों के महत्व को संक्षेप में लिखिए।

13. किस वैदिक सूक्त में चार वर्णों की उत्पत्ति का वर्णन है ?

14. पर्यावरणीय शिक्षा का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. पुराणों के विकासक्रम पर प्रकाश डालिए।

16. श्रमण धर्म के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

17. प्राचीन संस्कृत साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।

18. पर्यावरण शिक्षा की क्या आवश्यकता है ? स्पष्ट कीजिए।

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. वैदिक धर्म के प्रमुख संस्कारों का वर्णन कीजिए।

20. पुराणों के रचनाकाल पर निबंध लिखिए।

21. आत्मा के संबंध में गीता की क्या मान्यता है ? समझाइए।

22. पर्यावरण संरक्षण में यज्ञ की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. विविध धर्मों में वर्णित पर्यावरणीय महत्ता का वर्णन कीजिए।

24. संस्कृत साहित्य में वर्णित सामाजिक आचार-विचार का उल्लेख कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 29 फरवरी 2024 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई–जून 2023–24 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई–जून 2023–24 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**